the first their artifactions and other hand

(म) को हैम्डिन बर्गामा की ने त्यानिक बीजराकि की मैविद्या आक्षेत्र जाते ने

क्रियापी गर प्रीय के अधिक क्षेत्रक क्ष

स्व तमा अमा निष्य कार्य वाष्ट्र नाम निष्य क्रियान वाष्ट्र विष्य नाम निष्य क्रियान वाष्ट्र विष्य निष्य ानात्रप्र । . . . अवः क्ली क्रम् ।

(ii) प्रारित अपवालि अंभ्रालत मन्त्रेल स्रोप महि।

(m) मिर्डिश क्षेत्र स्थापन भिष्य अपे सेत (क्षेत्र) रहे।

(11) शिक् क्यापांत अपी व्यापांत अपने क्यापांक इ बीडराय-क्तिक आहि।

(v) अव लाम भन्नास अन तिला मित्रिमाल, लामपानीमा माउसा मार्था।

(M) ह्या, अंचापांचंत्र क्रम्स्यांच अधिमाप क्रिस आहारा।

(६) त्यास्त्रियां स्थाप कुलात खाँक क्या क्षा । एवं अन्यक्षा मध्मेत्र त्याः ट्रायप अँगी [पार्रीमा

स्याम ((०) त्यः अर्डक्षा क्षि क्षि भीत्र भाग क्षेत्र हरम् अभ त्यः क्षित्र हरम् अभ त्यः अअकुरिय अधिरियक्त (NT)

C + H20 1000 C + CO+ H2 3 1C+02+N2 1000C > CO + N2

PINE WOOD

० व्याक्ष्य अड्रभूडि —

 $N_2 = 55\%$, 60 = 20%, $100_2 = 5.5\%$, $110_2 = 10.5\%$.

(e) फ्रांभ- कि वं देनन शिका मिल्ला

Dr. Walth shelling 1900. Albert will confagra rath was and follow लिए । १७२०: भीक्षाल १०४ विकास अम, बतुमाल लिए सिरियालमान स्वी क्रभा क्षित अभिष्याके मार्थ आदि स्था क्षित काष वाष्ट्र होम्हा हिंतुक

हुस्में अंस्था। The सीमांत्र- उपायाधियार त्यास अँगो उपा-461 अशास्त्रम/ एकरिंग हिर्मात्म मिर्विक्रीम विरित्त लाभवा त्यात्वा रामात्र त्युल्यक्र अयुत्य अयुत्य प्राहिक लपीयात क्या ठंग। विदेश कार्यात र्रिस्ट्रे द्वालामी विवाद स्थापन रिस्ट्रेस्ट्रे वर्षेत्र विशेषिक रित्र वर्षमाप शाहि 3 लगामा द्विमेरिक रामेग्राप्ट लिय अप्राधि भाषाद्वार देंगा ्ति। दुन्धरंभकः धरेष्य त्यिक क्राच्या लेखा स्थित अभ- लेखा क्षेत्रक अभ- लेखा क्षेत्रक ि कार्त्रेया क्षित्रम् 10000 ट्रिस्सिडिक द्विन-ट्रिमेश विश्वित-क्षित्रकर्ति स्थित हो स्थाप क्या भ्या एष्ट्र अव रिज्य- त्योश्चित्र- लिकिकाडेक्प्रे विख्या हुस्म रम्पः छ्या-भ प्रश्निक इस त्या अधिरवीक मैंत्रम अत्राप्त भीत्र क्षि। क्षिकार यारे क्षिणार्थेल (ACB) त्यारे अर्थिक अधिक : लाम्यार्थिक अधिर मान्यार्थ (by H) अपरेता के क्षेत्र का का का का कि का कि कि । क मिर्पिष्ट रिले जिल्ला के मिरा के कार्य कार्य निम्निलिश्रिक कार्यात निर्देश कि लिए स्थान स्थान किया भूमि कर् (1) बर्डे क्षि जारा हीव-लिविटमैंती का मुख्य विट्नेंस्री र अंग्रंभ बर्देश्ये वार्षे कर्ते वियोगाम गरिका (॥) किन (५०० । ज्यान कामा अधिए की विवर्धिक अंग (m) किंदि क्रिक - (ज्यान ज्यान प्रमान क्रामाय अस्टिक्स एवं किंद (ज्यान) क्ष्म लामुडेक्स वायरेक दुवर विषय महिः विष्ट्रभंग अर्जेस्रो

(१४) किन (भार कार्य क्षणामा केर्य कार्य क

(D) (a) फिकार खाला, जातिएक की की रेगकियी कि ।

क्षि हाल्म आन्त्रिं हेम्स्रिये

(11) त्यहिक भक्षत्रेत्र हात्र हिक्तु द्वार प्रवासम्बद्धाः स्वासम्बद्धाः स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र हात्र हात्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र स्वास्त्र हात्र स्वास्त्र स

Jana William G

(AIII) आधिला के लाग क्यासाम प्राप्त में होरों निर्माति के लिला के लिए क

C16 H18 N2 O4 S

१ १०४० आणि कारणकुरामां दक्षाति कार कार्या कार्य कार्या का

(७) क्रिप क्लिमिंग ? त्यामा विक्रम कुलाव आहे ; त्य उत्तर्भ कु ;

© हिल्ल क्लिसिंड नियम - अधार्थेयो (अक्टि अद्यार) १३३ विश्वीय. वार्रे अप्राप्त हिराम, हि. रि. वर्षमाम (ज्रुनिय स्मिल्त विक्रिय वास्मेम् उ वाविभाग्त जिल्ली म्यामे नर्ने क्सा

न्येष्ठभण विक विसि (राकि एम नैरापर्या अविष्य वह वही विर्धार्ट ठम लार सम्पायक्त भाषात्रीक जिल्लीयं भाषात्र द्वासिन् मार्सक । ४५ (७५१भूम् (भानजूरील निविद्यात मारकः , ७४०१५ अभ्यक्ता । जाममाज्याल, . ह्यास्त्रायर हा व अर्थेष क्षेत्र (क्टिसिंध अमार क्ष्मारिक आका है रेप प्रीत- क्रिंप सार्थिक रहि. अधि क्या त्यां कि वार्ष्ट्रांस (मंत्रा

क्र केंग्या के अप्राथन के अक्र केंग्याय के अक्र में के अर्था, अर्थातक रिक्मा उ अरिकार्टिन स्थार क्षेत्रीय के विमर्शा अर्था, अर्थातक रिक्मा उ अरिकार्टिन स्थार, क्षेत्रीयीय रेक्सारी भारतिक क्षेत्र कार्यातक रिक्मा उ लामेर्सिय असे अस ममायान इंगि अर्ग

क लायांत्र त्रिया — लिखांत्र त्रियांच त्रकार आयावंत, कावंत चार्टे विद्युड (कर्ष प्रवः विला निर्माणाभन भग्ने र कॅम्पीक रिप्राधि केम बीत्रधंवा

o बैर्यान हुई त्याअध्या व्हान है त्राम कार्य आ आरोह उंगा कीं क्षामा महिन्द्री क्रमण मार्व , प्रक्रमान्त असी सिर्वासिक्ती क्षारीर प्राप्ति हार ने पर्वेष उपरिवृत्तिक विक्रापाउन से मेरे व्यक्तित्व व्यक्तम क्वर मार्थे।

(P) खाळाल हुअर्जिश आमकां साह लाउँगाई सां हुरमधीए की की भे मानाराष्ट्र व महिताला क्षान एक अधिकत एक के की?

हामान नामान की अमार्थ (३०२), क्राहिमाकी है(३३६) के क्रियाकी है(३३६) स्मिन अर्थार के त्या है। त्या है। त्या क्रिका क्रिका क्रिका क्रिका लिसिंग्ये हो के मिल्ड किला किला के अपी किला के अपन के अपन

০ ঋণ্ডকারক প্রভাব -

असम 20° ' I bbm समसे अंत्राह्यता (विश्व अप्येत्र हिम्मेश्वम कर्षेत्र अपामकाधिक : किन्यामी (एक्न क्रिक क्रिक क्रिक्स (मक्न लीव है) है। या अपामकाधिक : क्रिक लीव क्रिक क्रिक है। या क्रिक लीव है। विवास क्रिक लिक मानि क्रिक है। विवास क्रिक लिक मानि मानि क्रिक । विवास क्रिक । विवास क्रिक विवास क्रिक

उ अधिका विम देश।

अग्नित्र विम देश।

अग्नित्र का अधिकाणिक कुक्तिक के प्रित्त अग्नित्र के प्रित्त का प्रित्त के प्रित्त का प्रत्त का प्रत्त

किश्य भिष्मित क्षित्राण्य क्षेत्रका क्षित्राण्याची विष्ट्रीयक क्षेत्रका क्षित्राण्याची विष्ट्रीयक क्षेत्रका क्रिका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका क्षेत्रका

क्षित का <u>बोबकां</u>- धांकाम देशा धांका विर्णेति क्षेत्र। रूपा दुरिए का लांचा क्षेत्र १० (अक तेत्री अपणीका इ. ष्रिश्वित्रापं वर्णत्वांका दुरिए का लांचा एप्यूप कांक् गाँज लाहियोपांच-

डिभार अध्यारमायं ने हिंच क्या के यि के शिक्ष विभाग ने भाव है। अपने पुरस् अपने

ल्यामार्गे क्यां भाषा - ल्याल्यां भाषा अवस्त क्यां क्

प्यान क्ष्री क्ष्रियान क्ष्रिय क्ष्रियान क्ष्

अप्रथा क्ष्मिका क्ष्

(p) विशिक्षांक का निर्धा कार्यकार्य कार्य अधिक केंग्र

- विश्वाम आमिक केशियीद्य विभिन्नेग्रेशक त्रिकार त्रिकार कार्याय अपार्थि ल्यामार्थे अवस्त्र कामक-लामके व्याप्तकार होगारी वीवधात्र, वण्णीणो स्वोधाः व्यापाः व्यापाना व्यापाना अप्राप्ता अप्राप्ता अप्राप्ता अप्राप्ता अप्राप्ता अप्राप्ता क्रम क्षा क्षा मार्थि गार्थक क्षा पाली कर्ष क्षा भाषी के दुर्भारेज त्याः ज्यां के कि वार्मा (भर क्यां क्यां क्या भाष्यां क्यां व्यक्तियं क्षेत्रक रूप एम भव व्रिम्म वीत्रप्रके रंग लाभ्यं विश्वीप्रके দ্যো ম(m)

refrakte @

(1), चरित्रीयं आश्रेष्टीय व्हिजाकीप्रांग्र —

वक्षण कर्रणां कर्पार्विएक हीयम जार्येत्र न प्रिक्रीयंक अणाकी तकार लिलाका लाम्सिक लिल्लिकार ज्यामधी। हिम्मिला क्रीयात्व म्यावावम व्यक्तिया त्याक क्षेत्रच करिं त्याच्ये त्याच्ये विश्वित् विश्वित्रायेक अभाषीय व्यिष्ट्रे निक्तिया मेरिक मारि। (राज वर करमेर रिम्पेक निविज्ञीयोक लूपी गिल्ये अधिसँ गुरू क्यांत्र व्यक्षिय

(ii) प्रक्रिय अस्प्रियं (ii)

वर्षेक्षाम (जिस्से अध्याप वर्षेण विष्याण्य विश्वक अप्रथे) विष्य (तित त्या क्याने कामेंट त्याने अधिक क्या नीपरे र रंगा

उपराप तकः व्यक्तिक कुनाराम रांट लार्जापक क्षेत्राप अधिक्री कि ्यापत लाए- विद्वायक्ष, युभाणवाल, ध्रमण्या क्रा ३ माभिरेट destities du mingon geoner gamp ueur gallie destisse ा जानकी वावश्वाक क्रिक आकि।

(॥) व्यक्तिमाउक दिशीय में हिम्सान-भावाय विशेष में क्षारमारम

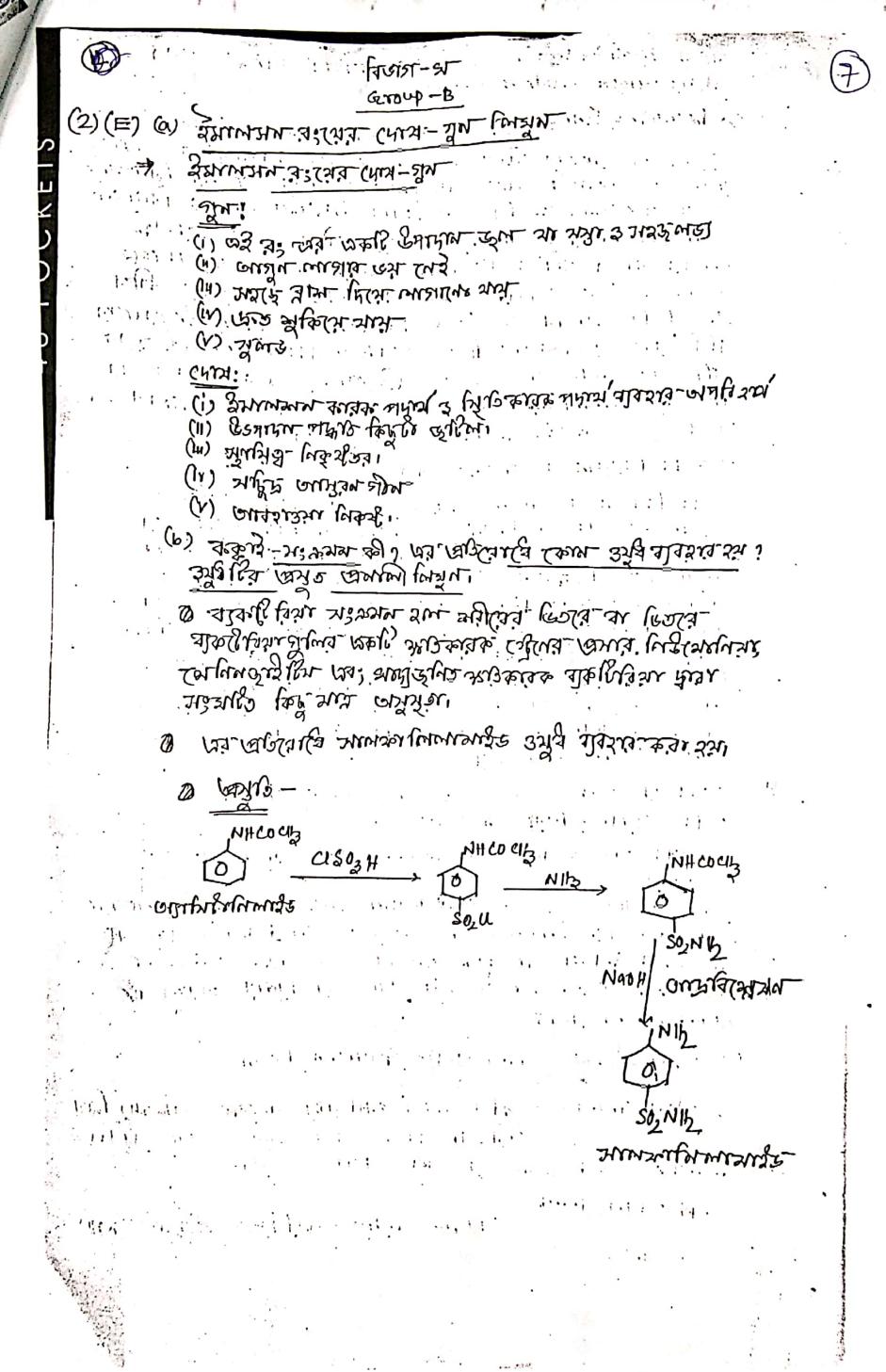
- (1) हिंद , समा = अवहार नम्बंद मिट्ट , हिल्ह्याम, o आमीद (या देगाएन
- (ठ) 3822 (अभय अध्दुक ल्यारेश का सहित्य

wat Artigir Come Carling among any are not beneau

- (३) सिल्म-एक्स्न भूमार्थ उ नश्क नामार्थ
- ताम स्थापन मुस् तिमान क्षित्राक्ष्यात्र क्षित्र क्ष्यात्र क्ष्य Hype 3 Brother Hotel

State town better to me the see with the comment of the art of the Will the Mark De Williams and Michigan Charles and the Control of the Control

Scanned with CamScanner



चिलाग - अ

V. (a) स्थि रियाय-, लगास्मर आग, क्षी ं तकं र्यंग्ली ही;

The state of the first the first in the

→ त्यह राज क्षित्र द्वाल दुवारिंग द्वित लायागर ग्रीस्पर स्थात เกาะ ซึ่นโอห ผูยขนน (ยูนุพม้นท) ชะ(ษ) ผูญชุทุก ม มารู นิ้มมูล ได้เมตน์ ल्यक न १६९ कर द्यापंत , लियान माय कर्ता

Little Hill The Contract of the same I delicated

winfus and " धीर का एजान warfes free fatty and (FFA) रक मित्रभाग कास 3 हैग्रे शिमात्राम हिल्ला अपनि क्रिक्स क्रिक्स हैंग्रिक हैंग्रे निर्देशक क्रिक्रो

- (p) , श्लियर, कमादुर कार्यका हिमायर क्रारेश तका उन उ
 - स्मिथिक क्ष्माहिन कर्ण ज्याह उप भीर्
 - © क्राक्रम व्यमुंच क्रिंग क्रांधा क्रांधीस क्रियम अपार क्रांम्स का अप्तान क्यां valise श्रीना आवावपट स्था निष्यामा किये-हिन क्रायक क्वीहर स्म, ज्यान कि कि वाम स्म। ट्यमन- अक्षेत्रं क्यालिएदेवल, एन्हिस्यम एका।
- B' (0) राउंक मार्थक क्षिल में में मार्थ करिय करिय करिय करिय करिय करिय मार्थ करिय करिय करिय करिय करिय करिय करिय
 - -, लांक संस्थायिंच स्था नेत्रण लाहुम १०५० स्थाप साम क्या द्रांत्र हिंग
 - (P) स्पूर्यंप अधुक्षियं वंद्यास्पूर अधिक हिल
 - 04121.2(102)14 X एक)हर क्योरंगराहं कंड्रोकी रिक महाहमार 1-
 - (G) (यभ-धि-दिं वे. धिरेमवंग जमप्दि क्यांव क्यां क्या की अवर्त्रेर प्रवित्रेर उंग-
 - → T be शिक्ष्मचा त्रंव दुश्चकटु शाभीय माधाता व्यापके क्या ठंवा अर्थ. यात्र, वुअध्येष आक्षेत्राक्षेत्रण, अग्रामंत्रक्ष , नामा आक्रा
 - (9) सर्जनारेल कार्य प्राप्त अधिकार करें।
 - न याम्मार्का कार्यम मात्माक्रीय मिक्सा 0:2 PPM
 - (6) है(m (काप वर क्याव अपी (अमक्तिममम वीवरें अपं i
 - → रे(भं आवाषाठ त्रांतु एक धर्मा वह क्यां हता (क्यांत्राक्ताम भ विश्वान क्या रंभ।
- Har man
 - टिम्डरंग्रेग डंग्नं! पर्वेडिंग्ड- तम्मिक् टिम्प्ट्रिक्ट स्मिन्टिक्ट स्मिन्टिंग्ड- विश् टिम्प्य शामान्त्र टिम्प्टिक्ट (०र्ग्ड) डंग्नं। त्या त्यात्रांभित्य मम्पेनिक्ट मुफ्टिश्चित त्यात्रात्म टिम्प्ट्राम् टिम्प्टिक्ट क्राव्याप्त्- ज्यापा क्रिक्ट स्मिन्टिंग्ड स्मिन्टिंग्टिंग्ड स्मिन्टिंग्ड स्मिन्टिंग्ड स्मिन्टिंग्ड स्मिन्टिंग्ड स्मिन्टिंग्ड स्म (a) COUNTSIMH-

उग्मेंच ल्याची न्याल्यात्य कार्त्यः भ्यापिन न्याल्याचे स्थिया देश्या दियात वोषशंच अवस्य अवस्य राज्या 9

ल्ममा हिमक्र ध्राम्म क्रिंगं स्कृ क्यांग् च्या (त्रांत संदंग मेंयम प्रिमंग्नं प्र केरिवियमम प्रभात कृष्ट्रियरिवं, उर्व के समक्ति क वस्ते क्र्यंत क्रांस्व स्म्यामी क्रिंगं मेंव्याहे प्रमाश्येत विषय क्रिंगं क्रिंगं क्रिंगं क्रिंगं क्रिंगं स्मार्थं स्मार्थं स्मार्थं स्मार्थं क्रिंगं केरिवायरिवं क्रिंगं प्रवं स्मार्थं स्मार्थं स्मार्थं स्मार्थं क्रिंगं स्मार्थं क्रिंगं क

(अधिक क्षिरवर्षक लिवीस्था द्वाप क्ष्यां क्षाप्रिक क्षिरवर्ष ज्या

1 mg 21 n/ Her (30.2 mg (34.3 pg 192)/N - 5 mg (02 mis ophys (21 xis) 2), 21/2(2);

(तिर्णेच (क्टरीया अविद्यित तिर्णेक स्थापात्री व्यक्तिक्टत (क्षेच प्रत्य क्रियोक प्रति क्षेत्रीयात्रीय) व्यक्तिक प्रविद्या प्रतिक क्षेत्रीयात्र क्षेत्र व्यक्तिक प्रतिक क्षेत्रीय क्षेत्र क्षे

(P) केशिय डे (क्रायम आसार क्रमिक क्र (व्याखाम क्रिकेंग-

विभार्त कार्य कांच क्या को क्या ने क्या कांच क्या प्रकार । देश कां। न्याम न्याम न्याम क्याम क्याम कांचिया ने व्यक्ति । 0 क्याम न्याम — न्याम नाम्याम (माहियाम क्याम्याम (भण्डा।) स्थिय

सिरिंग क्षित्री ठंग। १ क किरमान अध्याप-